Total Pages : 8

K-428

Shastri (Part-I) Examination, 2022

हिन्दी

(हिन्दी साहित्य)

[सप्तम् प्रश्नपत्र (वैकल्पिक)]

(वर्ग - ख)

समय : तीन घण्टा

पूर्णांक : 100

न्यूनतम : 36

निर्देश : **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के समक्ष उनके अंक दर्शाए गए हैं।

1. निम्नांकित में से **किन्हीं तीन** पदों की संदर्भ प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए : [3×13=39]

(क) भगति भजन हरि नांव है, दूजा दुक्ख अपार।

मनसा बाचा कर्मनां, कबीर सुमिरण सार।।

कबीर सुमिरण सार है, और सकल जंजाल।

आदि अंत सब सोधिया, दूजा देखौं काल।।

(ख) नागमती चितउर पंथ हेरा। पिउ जो गए पुनि कीन्ह न फेरा।।

नागरि नारि काहुँ बस परा। तेइ मोर पिउ मोसौं हरा।।

सुआ काल होइ लेगा पीऊ। पिउ नहिं लेत लेत बरू जीऊ।।

भएउ नरायन बावन करा। राज करत राजा बलि छरा।।

करन बान लीन्हेउ कै छंदू। विप्र रूप धरि झिलमिल इंदू।।

मानत भोग गोपीचंद भोगी। लेइ उपसवा जलंधर जोगी।।

लेइगा कृस्नहि गरुड़ अलोपी। कठिन बिछोह जियहि किमि गोपी।।

(ग) जोग ठगोरी ब्रज न बिकैहै।

यह व्योपार तिहारो ऊधो' ऐसोई फिर जैहै।।

जापै लै आए हौ मधुकर, ताके उर न समैहै।

दाख छाँड़ि कै कटुक निबौरी को अपने मुख खैहै?

मूरी के पातन के केना सो मुक्ताहल दैहै।

सूरदास प्रभु गुनहि छाँड़िकै को निर्गुन निरबैहै?

(घ) एक समय सब सहित समाजा, राजसभा रघुराज बिराजा।।

सकल सुकृत मूरित नरनाहू। राम सुजसु सुनि अतिहि उछाहू।।

नृप सब रहहिं कृपा अभिलाषें। लोकप करहिं प्रीति रुख राखें।।

त्रिभुवन तीनि काल जग माहीं। भूरिभाग दसरथ सम नाहीं।।

मंगलमूल रामु सुत जासू। जो कछु कहिअ थोर सबु तासू।।

रायँ सुभायँ मुकुरु कर लीन्हा। बदनु बिलोकि मुकुट सम कीन्हा।।

श्रवन समीप भए सित केसा। मनहूँ जरठपनु अस उपदेसा।।

नृप जुबराजु राम कहुँ देहू। जीवन जनम लाहु किन लेहू।।

(ङ) झलकै अति सुन्दर आनन गौर, छके दृग राजत काननि छ्वै

हँसि बोलनि मैं छवि फूलन की बरषा उर ऊपर जाति है ह्वै

लट लाल कपोल कलोल करै, कल कंठ बनी जलजावलि द्वै

अंग अंग तरंग उठै दुति की परिहै मनौ रूप अवै धरि च्वै

2. ''कबीर के काव्य में हृदय पक्ष तथा बुद्धि पक्ष का मार्मिक समन्वय है'' – इस कथन की समीक्षा कीजिए। [15]

अथवा

जायसी के रहस्यवाद पर संक्षिप्त निबंध लिखिए।

3. ''तुलसी समन्वयवादी कवि थे'' – इस कथन की विवेचना कीजिए। [15]

अथवा

''सूर वात्सल्य रस के सम्राट हैं'' – सिद्ध कीजिए।

4. **किन्हीं तीन** पर टिप्पणियाँ लिखिए : [3×7=21]

(क) कृष्ण भक्ति काव्यधारा

(ख) प्रेममार्गी शाखा

(ग) रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त काव्य

(घ) सिद्ध एवं नाथ साहित्य

(ङ) घनानंद का विरह वर्णन

5. निम्नलिखित के अतिसंक्षिप्त उत्तर लिखिए : [10×1=10]

(क) ज्ञानमार्गी शाखा के प्रमुख कवि का नाम लिखिए।

(ख) पद्मावत के रचनाकार कौन हैं?

(ग) किस काल को वीरगाथा काल कहा जाता है?

(घ) कबीर को वाणी का डिक्टेटर किसने कहा है?

(ङ) रामचरितमानस किसकी रचना है?

(च) सूरसागर के रचनाकार का नाम लिखिए।

(छ) 'आधुनिक काव्य' का विलोम क्या है?

(ज) सूफी काव्यधारा के प्रमुख कवि कौन हैं?

(झ) बिहारी किस काल के कवि हैं?

(ञ) सुजान किस कवि की प्रेयसी थी?

----x----